प्रश्न 11: बुद्ध को ज्ञान कहाँ प्राप्त हुआ?
उत्तर-> बुद्ध को ज्ञान बोधगया में प्राप्त हुआ।

प्रश्न 12: महात्मा बुद्ध ने अपना प्रथम प्रवचन कहाँ दिया?
उत्तर-> महात्मा बुद्ध ने अपना प्रथम प्रवचन सारनाथ में दिया।

प्रश्न 13: कनिष्क के काल में बुद्धमत किन दो भागों में विभाजित हो गया?
उत्तर-> कनिष्क के काल में बुद्धमत हीनयान तथा ~~महायान~~ महायान दो भागों में बँट गया। हीनयान का अर्थ है ~~छोटा~~ लघुयान तथा महायान का अर्थ है मोक्ष का सहायक। महायान की धार्मिक पुस्तकें संस्कृत में थी। महायान प्राचीन बौद्ध धर्म की अपेक्षा हिन्दू धर्म की अधिक समीप थी।

~~प्रश्न 14:~~
प्रश्न 14: अधिकांश बुद्ध साहित्य किस भाषा में लिखा गया है?
उत्तर-> अधिकतर बुद्ध साहित्य पाली भाषा में लिखा गया है।

प्रश्न 15: बुद्ध के अनुसार मनुष्य की दुखों की जड़ क्या है?
उत्तर-> बुद्ध के अनुसार मनुष्य के दुखों की जड़ तृष्णा और लालसा है। तृष्णा का अर्थ है की सदा ही भौतिक पदार्थों तथा

वासना पूर्ति को उत्सुक रहना / अधिक सुरक्षा तथा विलासिता की प्राप्ति की खोज करने से मनुष्य वास्तविक सुख प्राप्त नहीं कर सकता /

प्रश्न 16. इन प्रमुख नामों का वर्णन कीजिए जिसके अंतर्गत भगवान विष्णु की पूजा होती थी /

उत्तर - भगवान विष्णु की पूजा मत्स्य, नरसिंह, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण, बुद्ध के नामों से होती थी /

प्रश्न 17. इन प्रमुख नामों का वर्णन कीजिए जिसके नाम से भगवान शिव की पूजा होती थी /

उत्तर - भगवान शिव कि पूजा महादेव, रुद्र, नटराज, नंदीश, अर्धनारीश्वर, महाकाल आदि के नाम से होती थी /

प्रश्न 18. साँची स्तूप कहाँ है? उस विदेशी यात्री का नाम लिखें जिसने सबसे पहले इसके खण्डहर देखे?

उत्तर - साँची स्तूप मध्यप्रदेश के साँची नगर में स्थित है / ये भोपाल शहर से 45 किमी० की दूरी पर है / ब्रिटिश सेनानायक जनरल टेलर पहला विदेशी था जिसने उन खण्डहरों की खोज की /

प्रश्न 19: बौद्ध ग्रंथों को कहाँ सुरक्षित रखा गया?
उत्तर: बौद्ध ग्रंथों को एशिया के विभिन्न भागों के मठों में पांडुलिपियों में कई शताब्दियों तक सुरक्षित रखा गया।

प्रश्न 20: स्तूप में क्या होता है?
उत्तर: स्तूप में महात्मा बुद्ध की ~~और बुद्ध~~ या अस्थियाँ या उनसे संबंधित वस्तुएँ दबाई गई हैं। इन स्तूपों की बुद्ध तथा बुद्धमत के चिह्नों के रूप में पूजा की जाती है।

प्रश्न 21: साँची में स्तूप नं० 1 का वर्णन करें।
उत्तर: वर्तमान स्तूप नं० 1 अपने मूल आकार आधा है। इसको सम्राट अशोक ने बनवाया। आरम्भ में यह स्तूप छोटी-छोटी ईंटों तथा चूने से बनाया। इसमें प्रयोग की गई ईंटें अशोक द्वारा बनाए गए अन्य स्मारकों की ईंटों से मिलती-जुलती हैं।